डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

कौशल विकास पर आधारित है नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति

संवाद न्यूज एजेंसी

अवध विवि में सेमिनार का आयोजन

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग और इग्नू अध्ययन केंद्र अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ डॉ. नितेश धवन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख हो चुके हैं।

अवध विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग का स्वागत करते विभागाध्यक्ष। -संवाद

इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रुचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से उद्यमिता को विकसित करने के लिए है।

अध्यक्षता विभागाध्यक्ष एमबीए प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने की। इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, डॉ. श्रीश अस्थाना, डॉ. महेन्द्र पाल सिंह, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. रामजीत यादव आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 09

उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एकदिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके है। सेमिनार में उन्होने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 राना रोहित सिंह इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ0 आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 राजेश कुमार, डॉ0 रामजीत यादव, डॉ0 आशीष पटेल, डॉ0 निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ0 कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ0 प्रवीण राय, डॉ0 प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

डा. विनोद बने पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष

संसू, अयोध्याः डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व प्रख्यात विज्ञानी डा. विनोद चौधरी को विभाग का नया विभागाध्यक्ष बनाया गया। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने निर्देश के बाद कुलसचिव डा. अंजनी कुमार मिश्र ने नियुक्ति पत्र जारी किया। डा. चौधरी को तीन वर्ष के लिए विभागाध्यक्ष पद पर तैनात किया गया है। अभी तक विभागाध्यक्ष रहे प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद डा. चौधरी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। डा. चौधरी के दो शोध पेटेंट हो चुके हैं। प्रख्यात पर्यावरण विज्ञानी प्रो. जसवंत सिंह ने उन्हें बधाई दी। साथ ही विवि के अन्य शिक्षकों ने भी डा. विनोद को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के नये विभागाध्यक्ष डा . विनोद चौधरी (दाएं से पहले)के नियुक्ति पत्र के साथ निवर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो . सिद्धार्थ शुक्ला (मध्य में) व प्रख्यात विज्ञानी प्रो . जसवंत सिंह (बाएं से पहले) ● जागरण

वॉयस ऑफ लखनऊ

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारितः डॉ. नितेश धवन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके है। सेमिनार में उन्होने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता

हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होने एन०ई०पी० में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम०बी०ए० एवं समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रो० हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इग्नू क्षेत्रिय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इग्नू द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ० राना रोहित सिंह इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ० आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० अंशुमान पाठक, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० रामजीत यादव, डॉ० आशीष पटेल, डॉ० निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ० कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ० प्रवीण राय, डॉ० प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बस्ती की पुकार

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

"बस्ती की पुकार" हिन्दी दैनिक बस्ती, रविवार 30 जुलाई 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित :- डॉ0 नितेश धवन

नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगाः वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

बस्ती की पुकार हिन्दी दैनिक

अयोध्या :– डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ० नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में

बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके है। सेमिनार में उन्होने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया।

सेमिनार में की–नोट स्पीकर के रूप में इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होने एन०ई०पी० में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम०बी०ए० एवं समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रो० हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इग्नू क्षेत्रिय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इग्नू द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ० राना रोहित सिंह इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ० आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० अंशुमान पाठक, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० रामजीत यादव, डॉ० आशीष पटेल, डॉ० निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ० कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ० प्रवीण राय, डॉ० प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वरूप

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित : डॉ. नितेश धवन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर हुआ सेमिनार

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके है। सेमिनार में उन्होने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ.

मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होने एन0ई0पी0 में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम0बी0ए0 एवं समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इग्नू क्षेत्रिय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इग्नू द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 राना रोहित सिंह इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ0 आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 राजेश कुमार, डॉ0 रामजीत यादव, डॉ0 आशीष पटेल, डॉ0 निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ0 कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ0 प्रवीण राय, डॉ0 प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

कौशल विकास व नवाचार पर आधारित है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

सेमिनार

नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप व उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा

वर्ष 2016 में देश में 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख तक पहुंचे

मुख्य अतिथि का स्वागत करते एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर।

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केंद्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. नितेश धवन स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कौशल अंतराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग से स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रांट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी दी। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिंकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया।

सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होंने एनईपी में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एमबीए एवं समन्वयक इग्नू अध्ययन केंद्र प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों के व्याख्यान से लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इग्नू क्षेत्रिय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। संचालन विभाग के प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. राना रोहित सिंह, इग्नू अध्ययन केंद्र के सहायक समन्वयक डॉ. आशुतोष कुमार पांडेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. श्रीश अस्थाना, डॉ. महेंद्र पाल सिंह, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. रामजीत यादव, डॉ. आशीष पटेल, डॉ. निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ. कपिलदेव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ. प्रवीण राय, डॉ. प्रियंका सिंह व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

कुटुंब जागरण

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारितः डा. नितेश धवन

नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगाः वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ॰ नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके है। सेमिनार में उन्होने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने

वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया।सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ॰ मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होने एनद्दईद्दपीद्द में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैक अश्वफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एमद्दबीद्दएद्द एवं समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रोद्द हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इग्नू क्षेत्रिय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉद्द कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इग्नू द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रोद्द शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉद्द राना रोहित सिंह इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉद्द आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉद्द श्रीश अस्थाना, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डा अंशुमान पाठक, डॉ राजेश कुमार, डॉ रामजीत यादव, डॉ आशीष पटेल, डॉ निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव उपस्थित रहे।